धन्य मालवा की नगरी | By Rajendra Jain |

जहाँ सजे स्वयं शिव महादेव
ओंकारेश्वर महाकाल
धन्य मालवा की धरती
जहाँ शिव ने किया कमाल
हर हर महादेव हर हर महादेव

ओंकारेश्वर शिव के बल पर
टिका है ये संसार
ओंकार के तीन शिखर हैं
त्रिभुवन के आधार
ॐ नमः शिवाय मिटा सकता है
जग जंजाल
धन्य मालवा की धरती
जहाँ शिव ने किया कमाल

ओंकारेश्वर भक्त परायण
भक्तों के अनुरागी
महामंत्र ओंकार जपो तो
जागे शिव बैरागी
मनधाता पर्वत पर शिव का
मंदिर बना विशाल
धन्य मालवा की धरती
जहाँ शिव ने किया कमाल

ओंकार आकार जहाँ वो
पर्वत है बड़भागी
नदी नर्मदा चरण पखारे
जल की किस्मत की जागी
एक बार जो शरण में आया
हो गया वही निहाल
धन्य मालवा की धरती
जहाँ शिव ने किया कमाल

ऐतिहासिक उज्जैन की धरती
अवंतिका कहलाए
इतिहास के पन्ने महाकाल की
गुणगाथा दोहराए
नटराज के घुंघरू थिरक रहे
छंद गति नव ताल
धन्य मालवा की धरती
जहाँ शिव ने किया कमाल

उज्जैन में श्रद्धा सुमन लिए
राजेंद्र जैन भी आया
महाकाल अब कृपा करो
दुनिया से दिल घबराया
ओंकार पति हे नाद ब्रह्म

गाऊँ तेरी जयमाल
धन्य मालवा की धरती
जहाँ शिव ने किया कमाल

जहाँ सजे स्वयं शिव महादेव
ओंकारेश्वर महाकाल
धन्य मालवा की धरती
जहाँ शिव ने किया कमाल
हर हर महादेव हर हर महादेव

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a7%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%af-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%b5%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%a8%e0%a4%97%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-rajendra-jain/